



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 535]

नई दिल्ली, पंगालखार, सितम्बर 30, 2008/आश्विन 8, 1930

No. 535]

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 30, 2008/ASVINA 8, 1930

नागर विभानन भवालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 2008

स.का.नि 702(अ).—कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप जिसे केन्द्रीय सरकार, वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, वायुयान नियमावली, 1937 में और संशोधन करने का प्रस्ताव करती है, जिसे उक्त अधिनियम की धारा 14 की अपेक्षानुसार ऐसे व्यक्तियों की जानकारी के लिए, जिनके उनसे प्रथावित होने की संभावना है, प्रकाशित करती है और यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर भारत के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना की प्रतियों को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराये जाने की तारीख से तीस दिन की अवधि के पश्चात् विचार किया जाएगा;

आक्षेप या सुझाव, यदि कोई हो, तो उसे महानिदेशक नागर विभानन, सफदरबांग हवाई अड्डा के सामने, नई दिल्ली-110003 को भेजें;

उक्त अवधि के समाप्त होने से पूर्व उक्त प्रारूप नियमों के बाबत किसी व्यक्ति से प्राप्त किसी आक्षेप या सुझाव पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

प्रारूप नियम

- (1) इन नियमों को वायुयान (संशोधन) नियम, 2008 कहा जाएगा।
- (2) ये सरकारी राजपत्र में उनके अंतिम प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. वायुयान नियमावली, 1937 में—

(1) नियम 1 में, उप-नियम (2) के पश्चात् निम्नलिखित उप-नियम अंत स्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

"(2क) भारत के अतिरिक्त अन्य संविदाकारी राज्य में पंजीकृत विमान और फ्लैट पर करार के अनुसार प्रथालित विमान के पापले में, प्रवालक, जिसके व्यापार का भूल स्थान है, या अगर व्यापार का ऐसा कोई स्थान नहीं है, भारत के अतिरिक्त अन्य किसी संविदाकारी राज्य में स्थाई आवास है, उसके द्वारा चार्टर या विमान का अन्वर्दल या ऐसी ही अन्य कोई व्यवस्था के सम्बन्ध में पंजीकरण, कार्मिकों की लाइसेंसिंग, उड़नयोग्यता और लॉगिस्टिक्स के सम्बन्ध में इन नियमों के भाग IV, V, VI और IX में निहित प्रावधानों के स्थान पर अन्य संविदाकारी राज्य के विनियम लागू होंगे, बशहें कि विमान के पंजीकरण के

राज्य की सरकार तथा कर्वेशन के अनुच्छेद 83 के अनुसरण में कायों और कर्तव्यों के हस्तान्तरण से सम्बन्धित अन्य संविदाकारी राज्य की सरकार के मध्य करार हुआ हो और इसे भारत के राजपत्र या अन्तर्राष्ट्रीय नाम विमान संगठन में सरकारी तौर पर अधिसूचित किया गया हो। ऐसे विमानों पर इन नियमों के प्रयोग का विस्तार, दो सरकारों के मध्य हुए करार के अनुसार होगा।”

(2) नियम 156, में,—

(i) उप-नियम (1) में, खंड (घ) के लिए, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

(घ) वायुपाल अधिनियम, 1934 (1934 का 22) के प्रावधानों या अन्य के अनुपालन के उद्देश्य के लिए विमान दिक्कालन सेवाओं सहित प्रबंश, निरीक्षण, जांच और किसी विमान या किसी विमान सुविधा को तलाशी और किसी कार्मिक, हस्तातिरित और अभिलेख का निरीक्षण भी करें ;”

(ii) उप-नियम (2) के पश्चात्, निम्नलिखित उप-नियम अन्तःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

“(3) विमान संगठन या विमान दिक्कालन सुविधा का मालिक या प्रबंशक इसके लिए प्राधिकृत व्यक्ति को उपकरण, अभिलेखों, दस्तावेजों और कार्मिक सहित विमान के किसी भाग, संगठन या विमान दिक्कालन सुविधा तक पहुंच और उप-नियम (1) में संदर्भित गतिविधियों के आयोजन में सहयोग देगा।”

[फा. सं. ए. वी.-11012/03/2007-ए]

आर. के. सिंह, संयुक्त सचिव

टिप्पणी : मूल नियम भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या थी-26, दिनांक 23 मार्च, 1937 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और अंतिम संशोधन भारत के राजपत्र के भाग II, खंड (3), उप-खंड (i) में प्रकाशित अधिसूचना सा.का.नि. 418(अ) दिनांक 2 जून, 2008 द्वारा किया गया।

MINISTRY OF CIVIL AVIATION

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th September, 2008

G.S.R. 702(E).—The following draft of certain rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by Section 5 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), is hereby published as required by Section 14 of the said Act, for information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after a period of thirty days from the date on which the copies of the Gazette of India in which this notification is published, are made available to the public;

Objections or suggestions, if any, may be addressed to the Director-General of Civil Aviation, opposite Safdarjung Airport, New Delhi-110 003;

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period specified above will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. (1) These rules may be called the Aircraft (Amendment) Rules, 2008.
2. (2) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.
3. In the Aircraft Rules, 1937,—

(1) In rule 1, after sub-rule (2), the following sub-rule shall be inserted, namely :

“(2A) in case of aircraft registered in a contracting State other than India and operated pursuant to an agreement for the lease, charter or interchange of the aircraft or any similar arrangement by an operator who has his principal place of business, or, if he has no such place of business, his permanent residence in another contracting State other than India, the regulations of the other contracting State relating to registration, licensing of personnel, airworthiness and log book shall apply in place of the provisions contained in Parts IV, V, VI and IX of these rules, provided that an agreement has been reached between the Government of State of registry of the aircraft and the Government of the other contracting State relating to transfer of

functions and duties pursuant to Article 83 bis of the Convention and the same has been officially notified to the Government of India or the International Civil Aviation Organization. The extent of application of these rules to such aircraft shall be as per the agreement between the two Governments."

(2) in rule 156,—

(i) in sub-rule (1), for clause (d), the following shall be substituted, namely :—

"(d) enter, inspect, examine and search any aircraft or any aviation facility, including air navigation services, and also inspect any personnel, documents and records for the purpose of securing compliance with any or the provisions of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934);"

(ii) after sub-rule (2), the following sub-rule shall be inserted, namely :—

"(3) The owner or operator of the aircraft, organization or air navigation facility shall allow the person so authorized, access to any part of the aircraft, organization or air navigation facility including equipment, records, documents and personnel and shall co-operate in conducting the activities referred to in sub-rule (1)."

[F. No. AV-11012/03/2007-A]

R. K. SINGH, Jt. Secy.

Note : The principal rules were published in the Gazette of India *vide* notification number V-26, dated the 23rd March, 1937 and was last amended by notification *vide* number G.S.R. 418(E), dated 2nd June, 2008 published in Part II, Section (3), Sub-section (i) of the Gazette of India.